डालमियानगर महिला कॉलेज में 28 मार्च को दौरा करेगी नैक कमेटी, मान्यता के लिए विवि में हुआ महामंथन

नैक के मानक के अनुरूप बने विवि के तीन कॉलेज

यूनिवर्सिटी

आरा | संवाद सूत्र

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के तीन कॉलेज नैक की मान्यता की कसौटी पर कस कर तैयार कर लिए गये हैं। महिला कॉलेज डालमियानगर विवि के अंतर्गत पहला कॉलेज होगा जिसकी कसौटियों की जांच के लिए नैक की टीम ने हामी भी भर दी है। नैक की टीम ने 28 मार्च को वहां की जांच के लिए तिथि भी तय कर दी है।

इधर विवि के अंतर्गत आने वाले तीनों कॉलेजों द्वारा यूजीसी नैक को अपनी सेल्फ स्टडी रिपोर्ट भेज दी गयी है। इन तीनों कॉलेज के अलावा दो ऐसे भी कॉलेज हैं जो सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार करने के अंतिम पावदान पर पहुंच गये हैं। नैक को लेकर रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में इसकी जानकारी दी गई। जिन तीन कॉलेजों ने नैक को अपनी रिपोर्ट भेजी है, उसमें महिला कॉलेज डालमियानगर, महंत महादेवानंद महिला कॉलेज आरा और एसपी जैन कॉलेज सासाराम शामिल है। एमएम महिला कॉलेज व एसपी जैन कॉलेज के लिए भी जल्द ही नैक की टीम के दौरे का कार्यक्रम निर्धारित होने की संभावना है। इसके साथ ही डी.के कॉलेज डुमरांव और एएस कॉलेज बिक्रमगंज की तैयारी नैक को लेकर अंतिम पड़ाव पर है। नैक के मापदंडों के अनुसार तैयारी पूरी कर कुछ माह पूर्व महिला कॉलेज डालमियानगर द्वारा सेल्फ स्टडी रिपोर्ट यूजीसी नैक को भेजी गयी थी। नैक ने कॉलेज द्वारा की गयी तैयारी पर सहमति जताते हुए तिथि निर्धारित की गयी। नैक को लेकर हुई बैठक में संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों के कार्य की सराहना की गयी। साथ ही कुलपति डा. लीलाचंद साहा ने अन्य कॉलेजों के प्राचार्यों को भी नैक के लिए तैयारी तेज करने का निर्देश दिया।

रविवार को बैठक में उपस्थित चारो जिले के प्राचार्य । • हिन्दुस्तान

वीकेएसयू में चारों जिले के प्राचार्यों के साथ बैठक के दौरान बोलते वक्ता।

नैक के लिए बेहतर कार्य करने वाले कॉलेज

- महिला कॉलेज, डालमियानगर
- एमएम महिला कॉलेज, आरा
- एसपी जैन कॉलेज, सासाराम
- एएस कॉलेज, बिक्रमगंज
- डीके कॉलेज, डुमरांव
- प्राचार्यों व विभागाध्यक्षों को दिये गये निर्देश
- पुस्तकालय को बनाया जाये आधुनिक
- लैब को किया जायेगा अपडेट
- कैमपस में साफ-सफाई की हो व्यवस्था
- शैक्षणिक माहौल में सुधार हो पहली प्राथमिकता
- शिक्षक-अभिभावक मीट का किया जाये आयोजन
- पेयजल व शौचालय की व्यवस्था हो दुरुस्त

अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र विभाग को दी गयी विशेष जिम्मेदारी

बैठक में अर्थशास्त्र व समाजशास्त्र विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गयी है। नैक के मापदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का मूल्यांकन होगा। इसके मद्देनजर दोनों विभागों को निर्देश दिया गया है कि आसपास के स्लम एरिया में शिक्षक व छात्रों की टीम जाकर लोगों को जागरूक करे। ध्वनि प्रदूषण व वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के संबंध में ग्रामीणों को बताया जाए। साथ ही एक रिपोर्ट भी तैयार की जाए।

सफाई से लेकर पढ़ाई तक की व्यवस्था में हो सुधार : कुलपति

नैक को लेकर कुलपति डा. लीलाचंद साहा की अध्यक्षता में हुई बैठक में हर तरह की व्यवस्था में सुधार को लेकर चर्चा हुई। नैक के मापदंडों के अनुसार कॉलेज को तैयार करने को लेकर महामंथन हुआ। चारों जिला भोजपुर, रोहतास, बक्सर व कैमूर के 17 अंगीभूत कॉलेज के प्राचार्यों के साथ विवि के 20 पीजी विभाग के विभागाध्यक्ष बैठक में शामिल हुए। कुलपति ने कहा कि सफाई से लेकर पढ़ाई तक की व्यवस्था में सुधार के लिए हर संभव प्रयास किया जाय। नैक से मान्यता मिलेगी, तभी कॉलेजों को यूजीसी से बेहतर आर्थिक सहयोग मिलेगा। लैब, पेयजल, शौचालय, लाइब्रेरी व शैक्षणिक माहौल सहित अन्य व्यवस्था में सुधार करने का निर्देश दिया गया। नैक के को-ऑर्डिनेटर डा. समीर कुमार वर्मा, विशेषज्ञ डा. ए.के शरण और सीसीडीसी डा. जमील अख्तर ने कई पहलुओं पर प्रकाश डाला। बैठक में विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी भी शामिल थे।

एक माह में मूल्यांकन रिपोर्ट देने का विभागाध्यक्षों को दिये गये टास्क

पीजी विभाग के विभागाध्यक्षों को एक माह में मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने का टास्क सौंपा गया है। विभागों द्वारा नैक के लिए क्या तैयारी की गयी है, इसकी रिपोर्ट तैयार कर हेड विश्वविद्यालय प्रशासन को रिपोर्ट सौंपेंगे। विश्वविद्यालय के माध्यम से विभागों की रिपोर्ट फाइनल होने के बाद नैक को भेजा जायेगा।